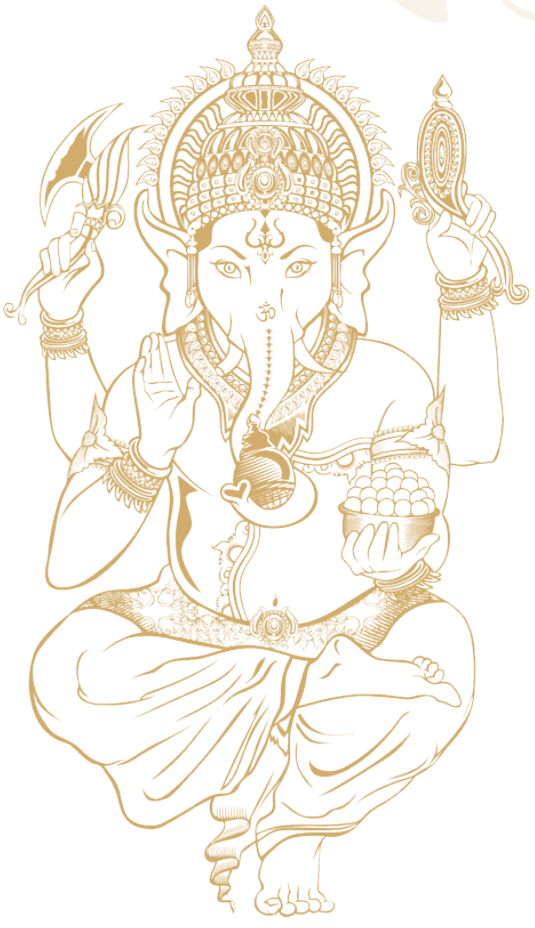

# Mr.Priyesh

# Ms. Jaishree

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119327803

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 03/03/1999 | जन्म तिथि | 3-04/09/2000 |
| बुधवार | दिन | रवि-सोमवार |
| घंटे 19:28:00 | जन्म समय | 02:54:00 घंटे |
| घटी 31:09:45 | जन्म समय(घटी) | 51:34:44 घटी |
| India | देश | India |
| Bikaner | स्थान | Fatehpur |
| 28:01:00 उत्तर | अक्षांश | 27:59:00 उत्तर |
| 73:22:00 पूर्व | रेखांश | 75:01:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:36:32 | स्थानिक संस्कार | -00:29:56 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 07:00:06 | सूर्योदय | 06:09:31 |
| 18:36:51 | सूर्यास्त | 18:48:23 |
| 23:50:34 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:51:44 |

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य 2वर्ष 9मा 21दि | | 00:38:24 | कन्या | लग्न | कर्क | 04:45:46 | गुरु 7वर्ष 1मा 2दि | |
| राहु | | 18:41:41 | कुंभ | सूर्य | सिंह | 17:48:02 | शनि | |
| 23/12/2018 | | 03:45:32 | कन्या | चंद्र | तुला | 27:25:29 | 07/10/2007 | |
| 23/12/2036 | | 17:04:05 | तुला | मंगल | कर्क | 27:49:53 | 07/10/2026 | |
| राहु | 05/09/2021 | 06:47:50 | मीन | बुध | सिंह | 29:18:46 | शनि | 10/10/2010 |
| गुरु | 29/01/2024 | 10:21:50 | मीन | गुरु | वृष | 16:18:07 | बुध | 19/06/2013 |
| शनि | 05/12/2026 | 18:05:42 | मीन | शुक्र | कन्या | 10:43:47 | केतु | 29/07/2014 |
| बुध | 24/06/2029 | 06:24:19 | मेष | शनि | वृष | 07:03:00 | शुक्र | 28/09/2017 |
| केतु | 12/07/2030 | 28:14:58 | कर्क व | राहु व | मिथु | 29:34:01 | सूर्य | 10/09/2018 |
| शुक्र | 12/07/2033 | 28:14:58 | मक व | केतु व | धनु | 29:34:01 | चन्द्र | 10/04/2020 |
| सूर्य | 05/06/2034 | 20:35:17 | मक | हर्ष व | मक | 24:04:31 | मंगल | 20/05/2021 |
| चन्द्र | 05/12/2035 | 09:26:52 | मक | नेप व | मक | 10:22:35 | राहु | 26/03/2024 |
| मंगल | 23/12/2036 | 16:37:25 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 16:20:38 | गुरु | 07/10/2026 |

## लग्न-चलित

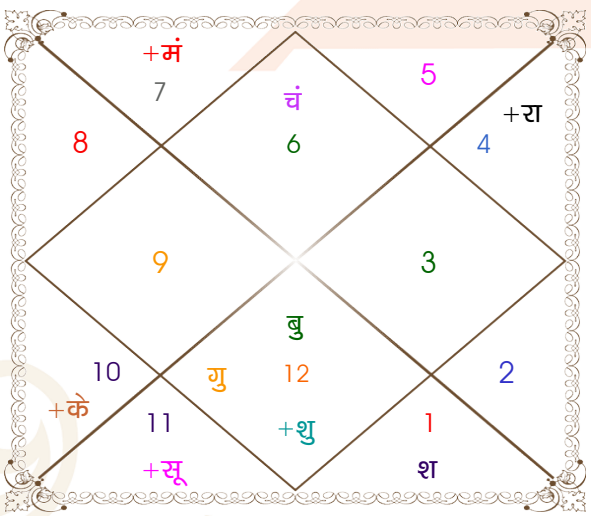


## लग्न-चलित

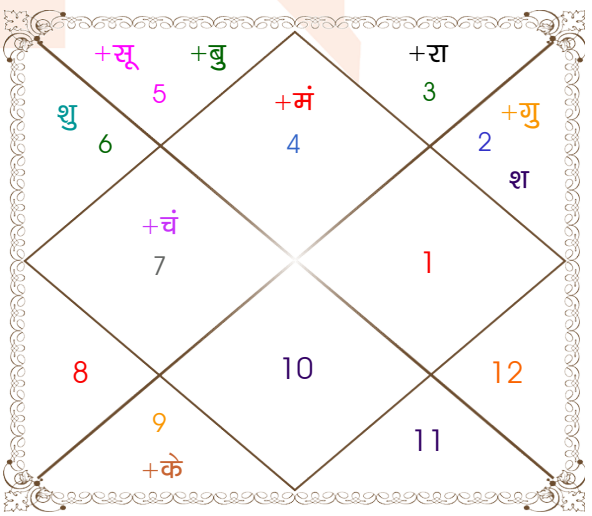

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | वैश्य | शूद्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | मानव | मानव | 2 | 2.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | साधक | प्रत्यारि | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | गौ | व्याघ्र | 4 | 0.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | बुध | शुक्र | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | राक्षस | 6 | 0.00 | हाँ | सामाजिकता |
| भकूट | कन्या | तुला | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | आद्य | अन्त्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 17.50 | | |

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.Priyesh का वर्ग मूषक है तथा Ms. Jaishree का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Priyesh और Ms. Jaishree का मिलान ठीक नहीं है।

## मंगलीक दोष मिलान

Mr.Priyesh मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms. Jaishree मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।**

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. Jaishree कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.Priyesh कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष

कट जाता है।

Mr.Priyesh तथा Ms. Jaishree में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।